बिहार देश का पहला राज्य, जहां मुफ्त में बच्चियों को दिया जायेगा टीका

सीएम बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना की कैबिनेट से मिल चुकी है स्वीकृति

सर्वाइकल कैंसर से बचायेगी वैक्सीन

सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन उपलब्ध, समय पर टीका लगाना है जरूरी

आनंद तिवारी@पटना

आजकल सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है. हर सात मिनट में एक महिला इस बीमारी का शिकार हो रही है. यह कैंसर महिलाओं के गर्भाशय (सर्विक्स) में होता है. अगर इसका सही समय पर इलाज नहीं किया जाए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है. लेकिन इस बीमारी से बचने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाये जा सकते हैं. नियमित जांच, जागरूकता और समय पर सही कदम उठाना ही इस बीमारी से बचने का सबसे बड़ा तरीका है. विशेषज्ञों और डॉक्टरों का कहना है कि टीका लगवाने से हम सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित होने से बच सकते हैं. साथ ही भविष्य में होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और चिकित्सा खर्चों से भी बचा जा सकता है. एक विशेष कार्यक्रम के तहत सोमवार को आइजीआइएमएस में 632 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर टीका लगाया गया.

आइजीआइएमएस में 632 बच्चियों को लगाया गया टीका

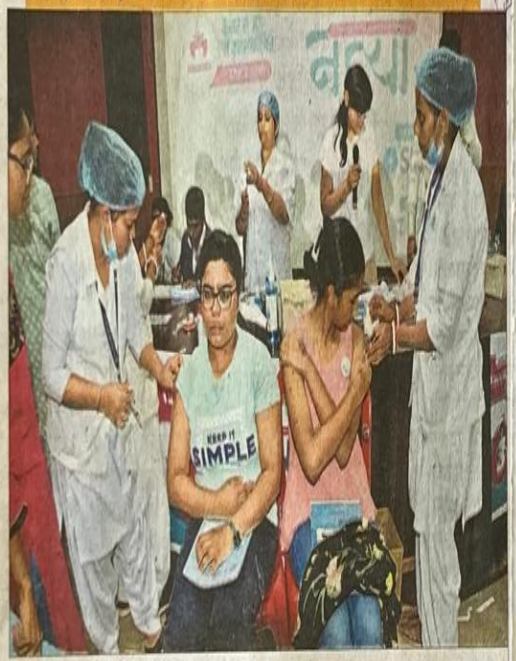

आइजीआइएमएस एचपीवी टीका लगाने वाला बिहार का पहला अस्पताल बना

पटना सहित पूरे बिहार को सर्वाइकल कैंसर से मुक्त करना है. यह सपना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का है. इसी के तहत 9 से 14 वर्ष की प्रदेश की करीब एक करोड़ बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर की आशंका से बचाने के लिए एक अक्टूबर से सरकार मुफ्त टीकाकरण करायेगी. इसकी तैयारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से की जा रही है. यह कहना है स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का. सोमवार को शहर के आइजीआइएमएस के ऑडिटोरियम सभागार में एचपीवी सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम गुलमोहर मैत्री, एसबीआइ के सौजन्य से किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मंगल पांडे, सीतामढ़ी से सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, निदेशक डॉ बिंदे कुमार, उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल, आइएमए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सहजानंद प्रसाद सिंह, डॉ मंजू सिन्हा व आर नटराजन ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम के दौरान 632 बच्चियों को संस्थान में सर्वाइकल से बचाव का टीका लगाया गया.

शासन- प्रशासन

दैनिक भास्कर, पटना, मंगलवार, 10 सितंबर, 2024

अभियान • आईजीआईएमएस में 632 बच्चियों को लगाया गया एचपीवी टीका

सर्वाइकल कैंसर से बचाव में वैक्सीन 98% कारगर

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

पटना समेत बिहार को सर्वाइकल कैंसर से मुक्त करना है। इसी के तहत 9 से 14 वर्ष की करीब एक करोड़ बच्चियों का एक अक्टूबर से मुफ्त टीकाकरण होगा। इस पर करीब 150 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी तैयारी स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। सभी सदर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में टीका उपलब्ध होगा। उसके बाद प्रखंड स्तर पर भी इसे उपलब्ध कराया जाएगा। यह कहना है स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का। वे सोमवार को आईजीआईएमएस में बच्चियों को एचपीवी का टीका देने के लिए गुलमोहर मैत्री और एसबीआई की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर से बचाव करने में 98 फीसदी कारगर है। साथ ही साथ एफडीए से एप्रूव्ड भी है। 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों को दो टीके लेने हैं। एक अभी और छह महीने के अंतराल पर दूसरा टीका लगेगा। यह गलती कतई नहीं करें कि एक टीका लेकर दूसरा लेना भूल जाएं। कार्यक्रम में 632 बच्चियों को संस्थान में सर्वाइकल से बचाव के लिए एचपीवी टीका लगाया गया। इस दौरान सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, निदेशक डॉ. बिंदे कुमार, उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल, डॉ. सहजानंद प्रसाद सिंह, डॉ. मंजू सिन्हा, डॉ. संगीता पंकज, आर नटराजन आदि मौजूद थे।

'ग्रामीण चिकित्सकों की मांग पूरी करने की कोशिश होगी'

पटना| स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि ग्रामीण चिकित्सकों की मांग को मंजिल तक पहुंचाएंगे। रजिस्ट्रेशन से लेकर परीक्षा और प्रशिक्षण संपन्न कराया है। पीएचसी में अबतक 42 हजार ग्रामीण चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया गया है। वे ऑल बिहार ग्रामीण चिकित्सक अधिकार मोर्चा की ओर से आयोजित स्वास्थ्य समागम को संबोधित कर रहे थे। समागम का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. बी झा मृणाल, डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, डॉ. बीरेंद्र नाथ मौर्य, डॉ. जीतेंद्र नाथ मौर्य ने किया।

आइजीआइएमएस में 632 का किया गया एचपीवी टीकाकरण

आइजीआइएमएस में कार्यक्रम का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। • जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि गुलमोहर मैत्री संस्था ने 2021 में जब मेरे, तत्कालीन मंत्री अशोक चौधरी, तत्कालीन बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, संस्था की ब्रांड एम्बेस्डर श्रेयशी सिंह के समक्ष एक लाख 11 हजार 111 किशोरियों के निशुल्क एचपीवी टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा तो सभी चौंके थे। सर्वाइकल यानी बच्चेदानी के मुंह के कैंसर से बचाने वाली यह वैक्सीन काफी महंगी आती है। कैसे पूरा होगा यह लक्ष्य, मुझे अजीब लगा था। बहन के लक्ष्य को पूरा करना एक भाई का दायित्व है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने स्वास्थ्य राहत कोष से प्रतिवर्ष डेढ़ सौ करोड़ रुपये आवंटित किए। अब एक अक्टूबर से 95 करोड़ बच्चियों को मुफ्त एचपीवी टीकाकरण का कार्य शुरू हो जाएगा। किसी संस्था

स्वास्थ्य मंत्री की उपस्थिति में गुलमोहर मैत्री व एसबीआइ के सहयोग से एचपीवी टीका लगाने वाला प्रदेश का पहला अस्पताल

के सहयोग से एचपीवी शुरू करने वाला आइजीआइएमएस प्रदेश का पहला अस्पताल है। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को आइजीआइएमएस में गैर सरकारी संस्था गुलमोहर मैत्री व स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा आयोजित एचपीवी-सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मौके पर विशिष्ट अतिथि सीतामढ़ी के सांसद देवेश ठाकुर, गुलमोहर मैत्री की मंजू सिन्हा, आइजीआइएमएस के निदेशक प्रो. डा. बिन्दे कुमार, उप निदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, डीन एकेडमिक डा. ओम कुमार, चिकित्साधीक्षक डा. मनीष मंडल मौजूद थे।

आईजीआईएमएस में गुलमोहर मैत्री की ओर से सोमवार को नव्या परियोजना के तहत 632 बच्चियों को नि:शुल्क एचपीवी टीका लगाया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, डॉक्टर सहजानंद सिंह व डॉ मनीष मंडल आदि मौजूद रहे । • हिन्दुस्तान

आईजीआईएमएस में 632 बच्चियों को लगा एचपीवी टीका

■ एक अक्टूबर से सभी जिला के सरकारी अस्पतालों में होगा टीकाकरण

पटना, प्रधान संवाददाता। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में सोमवार को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से स्वयंसेवी संगठन गुलमोहर मैत्री द्वारा 632 बच्चियों को एचपीवी का टीका लगाया गया। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में यह टीका नौ से 16 वर्ष की उम्र की लड़कियों को लगाया जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि नीतीश कुमार के प्रयास से सीएम स्वास्थ्य राहत कोष से प्रतिवर्ष डेढ़ सौ करोड़ रुपए खर्च कर 95 लाख बच्चियों को निशुल्क वैक्सीनेशन देने का अभियान 1 अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। इस तरह बिहार देश का पहला राज्य बन जाएगा जो टीकाकरण के इंद्रधनुष अभियान में एचपीवी वैक्सीनेशन को शामिल करेगा। इस तरह देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा टीकाकरण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में 100 कैंसर पीड़ितों में 17 सर्विकल कैंसर होते है। नव्या के टीकाकरण अभियान के मौके पर सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि गर्भाशय कैंसर ज्वलंत मुद्दा है। अभियान को मूर्त रूप देने के लिए बिहार में मेमोग्राफी वान जागरूकता वाहन) चलाया जाना चाहिए।

Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura, Patna-14 P.R.O.

Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura P.R.O.

آئی جی آئی ایم ایس میں گل مہر میتری اور ایس بی آئی کے تعاون سے 632 بچیوں کو ملی ایچ پی وی ویکسین

پٹنہ (ت ن س) جو کوشش کرتے ہیں وہ کبھی نہیں ہارتے، یہ بہار کی ایک رضا کار تنظیم گل موہر میتری نے محسوس کیا ہے۔ خواتین کی صحت اور کینسر سے متعلق آگاہی پر کام کرنے والی ایک رضا کار تنظیم گل موہر میتری نے اپنے 15 سالہ سفر میں لاکھوں خواتین اور مردوں کو آگاہ کیا ہے۔ ملک میں سروائیکل کینسر سے ہونے والی اموات کی بڑھتی ہوئی تعداد نے اس تنظیم کی توجہ کینسر کی حفاظت پر کام کرنے سے ہٹا دی۔ نتیجے کے طور پر، تنظیم نے اکتوبر 2021 میں نویا پروجیکٹ شروع کیا تھا۔ یہ پروجیکٹ 9 سے 14 سال کی عمر کی نوعمر لڑکیوں کو مفت ویکسینیشن فراہم کرتا ہے۔ سال 2021 میں یہ پروجیکٹ موجودہ اور اس وقت کے وزیر صحت شری منگل پانڈے، اس وقت کے وزیر اشوک چودھری، بہار قانون ساز کونسل کے اس وقت کے چیئرمین دیویش چندر ٹھاکر، تنظیم کی برانڈ ایمبیسیڈر محترمہ شریشٹی سنگھ کی موجودگی میں شروع کیا گیا تھا۔ اس کے تحت ایک لاکھ گیارہ ہزار ایک سو گیارہ نوعمر لڑکیوں کو مفت ٹیکہ دینے کا ہدف مقرر کیا گیا تھا، یہ منصوبہ ملک میں کسی بھی ادارے کی جانب سے پہلا آغاز سمجھا جاتا ہے۔ چار سال پہلے میری موجودگی میں اسی تنظیم کے ایک پروگرام میں لڑکیوں کو پولیو سے بچاؤ کے قطرے پلانے کا ٹارگٹ مقرر کیا گیا تھا، اس وقت ایک لاکھ گیارہ ہزار کا یہ ہدف مجھے عجیب لگا، ایک بہن کا یہ ہدف کیسے ہو گا۔ مہم کو حاصل کیا جائے بھائی کی بھی ذمہ داری ہے اور آج وزیر اعلیٰ کی کوششوں سے وزیر اعلیٰ ہیلتھ ریلیف فنڈ سے ہر سال 150 کروڑ روپے خرچ کر کے 95 لاکھ بچیوں کو مفت ویکسین پلانے کی مہم شروع ہو جائے گی۔ اس طرح بہار ملک کی پہلی ریاست بن جائے گی جس نے ٹیکہ کاری کی مہم میں HPV ٹیکہ کاری کو شامل کیا ہے۔ اس طرح ملک میں پہلی بار کوئی بھی ریاستی حکومت لڑکیوں کو سروائیکل کینسر سے بچانے کے لیے انہیں ٹیکہ فراہم کرے گی۔ ریاستی وزیر صحت منگل پانڈے نے یہ باتیں راجدھانی پٹنہ کے آئی جی آئی ایم ایس میں اسٹیٹ بینک آف انڈیا کے تعاون سے گل موہر میتری تنظیم کی طرف سے 632 لڑکیوں کو ٹیکہ لگانے کے موقع پر کہیں۔ انہوں نے کہا کہ بہار میں کینسر کے 100 مریضوں میں سے 17 سروائیکل کینسر کی وجہ سے ہیں۔ اپنے دو سال پہلے کے تجربے کو بیان کرتے ہوئے انہوں نے کہا کہ گل موہر میتری تنظیم کے ذریعے ان کے آبائی ضلع سیوان میں 200 لڑکیوں کو ٹیکہ لگایا گیا، تب ہمیں 50 والدین کی اپنی قوم کے بارے میں غلط فہمیوں کو بھی دور کرنا پڑا۔ آج ریاستی حکومت کی کوششوں سے، مظفر پور میں 5 مہینوں میں اس کی اپنی عمارت میں ایک کینسر اسپتال شروع کیا جائے گا جہاں یہ ہومی بھابھا کینسر انسٹی ٹیوٹ اور ٹاٹا میموریل کینسر انسٹی ٹیوٹ کے ساتھ مل کر کام کرے گا۔ انہوں نے گل موہر میتری تنظیم کو کینسر بیداری پروگرام میں ریاستی حکومت کا ساتھ دینے اور اسے مہم میں رکھنے کا یقین دلایا۔ سیتا مڑھی کے ایم پی شری دیویش چندر ٹھاکر، جو آئی جی آئی ایم ایس میں منعقدہ نویا کی وی ٹیکہ کاری مہم کے موقع پر مہمان خصوصی تھے، نے کہا کہ لڑکیوں کی ٹیکہ کاری مہم، نویا پروجیکٹ، اب ایک میگا مہم کی شکل اختیار کرے گی۔ اس کے لیے بہار حکومت کے وزیر صحت مبارکباد کے مستحق ہیں۔ تنظیم کے کام کی تعریف کرتے ہوئے انہوں نے کہا کہ بچہ دانی کا کینسر سماج کے صحت کے شعبے میں ایک سلگتا ہوا مسئلہ ہے، اس مہم کو ٹھوس شکل دینے کے لیے بہار میں میموگرافی وین (ٹیسٹنگ بیداری کی گاڑی) چلائی جانی چاہیے۔ شری آر عزاجن، جنرل منیجر، اسٹیٹ بینک آف انڈیا کے شمالی بہار ریجن، ٹیکہ کاری مہم میں ایک ساتھی، نے کہا کہ بینک نہ صرف مالی لین دین کرتا ہے، بلکہ اپنے سماجی تحفظات کو بھی پورا کرنے کی کوشش کرتا ہے۔ اس موقع پر تنظیم کی سکریٹری منجو سنہا، ڈاکٹر بیجا نند پرساد، ڈاکٹر اوم کمار، ڈاکٹر وبھوتی پرسن سنہا، ڈاکٹر منیش منڈل، ڈاکٹر راجیش کمار سنگھ، ڈاکٹر سنگیتا پنکج شامل ہوئے۔